– Save This Page as a PDF–

राज्य में प्रवेश के संबंध में निर्देश



हालाँकि येशुआ का नियत समय आने में लगभग
साढ़े तीन महीने लगे, फिर भी उसने सेवा करना जारी रखा और उसका मुख्य संदेश पश्चाताप करना था, क्योंकि परमेश्वर का राज्य निकट था। शैतान के कब्जे के आधार पर सैन्हेड्रिन द्वारा उनकी अस्वीकृति के बाद चार कठोर परिवर्तन हुए (देखें En – मसीह के मंत्रालय में चार कठोर परिवर्तन), और एक परिवर्तन उनके शिक्षण के तरीके से संबंधित था। अपनी अस्वीकृति से पहले मसीह ने जनता को उस भाषा में शिक्षा दी जिसे वे समझ सकते थे, लेकिन बाद में, वह केवल दृष्टांतों में शिक्षा देंगे। विश्वास करने वाले लोग दृष्टांतों की आध्यात्मिक सच्चाइयों को समझने में सक्षम होंगे, लेकिन जिन्होंने मसीहा को अस्वीकार कर दिया था वे सच्चाई से अंधे हो जाएंगे। अपने पेरियन मंत्रालय के दौरान उन्होंने कई दृष्टांत सुनाए। मास्टर शिक्षक ने संकीर्ण दरवाजे से प्रवेश करने, पूरी तरह से प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता, लागतों की गणना करने और राज्य में प्रवेश करने के लिए सरसों के दाने जितने छोटे विश्वास की आवश्यकता के बारे में भी बात की। उसने कोढ़ियों को चंगा किया, अंधों को दृष्टि दी, और मरे हुओं को जिलाया। मुक्ति सबसे असंभावित लोगों को मिली, यहाँ तक कि जक्कई नाम के एक छोटे कर संग्रहकर्ता को भी।